

Saroj



|| 1005 ||

Sofia-2
by
Saroj





मुझे प्यार की इस बूट
शुक्रआत की तरफ़ों दे, मुझे
इस बट छेदना में खी जने दे।







मुझे कई शुरुआत को खुले छुट्टे से भले लगान दे,
मुझे प्यार का जराब मनाते दे ।

1004





